शनिवार
20 अप्रैल 2024

पृष्ठ 4

गैस के कारण शरीर में होती है कई...

पृष्ठ 5

मधुबाला की बायोपिक फिल्म का ऐलान...

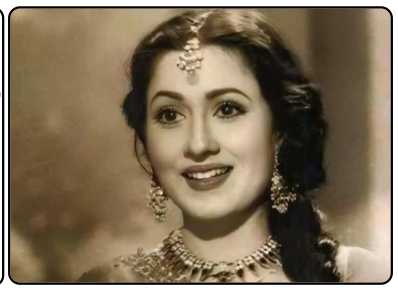

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 81
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सतत परिश्रम, सुकर्म और निरंतर सावधानी से ही स्वतंत्रता का मूल्य चुकाया जा सकता है।
– मुक्ता

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

फीका मतदान, नेता परेशान

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की सभी पांच लोकसभा सीटों के लिए कल मतदान संपन्न हो चुका है। 2014 और 2019 की तुलना में 2024 के इस चुनाव में 5 से 6 फीसदी तक मतदान कम रहा है। इस कम मतदान का किसे फायदा होगा और किसे कितना नुकसान होने वाला है इसे लेकर तमाम तरह की चर्चाएं जारी है लेकिन भाजपा व कांग्रेस के द्वारा इस कम मतदान को लेकर अपने-अपने फायदे के दावे किए जा रहे हैं परंतु बेचैनी नेताओं के चेहरे पर साफ झलक रही है।

राजनीतिक दलों और प्रशासन द्वारा मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए तमाम कोशिशें की गई मगर यह कोशिशे धरी की धरी रह गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में मतदान 62.15 फीसदी रहा था तथा 2019 में मतदान का प्रतिशत 61.50 रहा था जिसमें कोई बहुत बड़ा अंतर नहीं था लेकिन 2024 के वर्तमान चुनाव में यह मतदान 56 फीसदी तक भी नहीं पहुंच सका जो पिछले चुनावों की तुलना में 5 से 6 फीसदी तक कम है। 56 फीसदी कम मतदान निश्चित

- 5 से 6 फीसदी कम मतदान का किसे मिलेगा लाभ
- 1 लाख 80 हजार युवा मतदाता बढ़े, फिर भी कम मतदान
- शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ अच्छा मतदान

रूप से कोई कम चिंता का बात नहीं है। अगर यह मतदाताओं की संख्या के हिसाब से देखा जाए तो यह संख्या 3 लाख के आसपास मानी जा सकती है। इतनी बड़ी संख्या में जो लोग वोट डालने नहीं पहुंचे वह किस पार्टी के वोटर रहे होंगे और इसका पार्टी को कितना नुकसान होगा और दूसरी पार्टी को इसका कितना फायदा होगा इसका चुनाव परिणाम पर गंभीर असर देखने को मिल सकता है।

अभी सभी दल खास तौर से भाजपा और कांग्रेस इसकी समीक्षा करने में जुटे हुए हैं कि क्या कारण रहा इस बार मतदाताओं की इस उदासीनता का। अगर यह सत्ता से निराशा के कारण हुआ है तो इसका भाजपा को नुकसान होने की संभावना है। भाजपा की रैलियां में हमने जिस तरह की भीड़ उमड़ती देखी थी वह क्या था? क्या एक बूथ 10 यूथ वाली भाजपा अपने वोटरों को बूथ तक नहीं ला सकी। ऐसे तमाम सवाल उमड़-घुमड़ रहे हैं। एक महत्वपूर्ण तथ्य जो सामने आया है वह यह है कि मतदान को लेकर शहरी मतदाता ही उदासीन रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों में ▶▶ शेष पृष्ठ 2 पर

कम मतदान का कोई असर नहीं पांचों सीट जीतेंगे: धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। मतदान संपन्न हो चुका है हार जीत किसकी होगी यह अलग बात है, लेकिन मतदान शांतिपूर्ण रहा यह शासन-प्रशासन के लिए सुकून की बात है। हां मतदान के कम होने का मुद्दा अब जरूर चर्चाओं के केंद्र में है। जिसे लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि कम मतदान का कोई असर नहीं होगा भाजपा पांचो लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी। वहीं पूर्व सीएम हरीश रावत का कहना है कि 2014 व 19 के मुकाबले भाजपा का वोट 10 से 12 फीसदी घटा है। उनका दावा है कि जहां भाजपा का वोट 10 से 12 फीसदी कम हुआ है वहीं कांग्रेस के वोट प्रतिशत में चार से पांच फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

❑भाजपा का वोट 10-12 फीसदी तक घटा: हरीश

चुनाव के बाद आज दून लौटे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से जब राज्य में हुए कम मतदान के विषय में पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि कम मतदान का भाजपा की जीत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मतदान का प्रतिशत ठीक-ठाक ही है जो थोड़ा बहुत कम रहा है उसके कुछ कारण हो सकते हैं। जैसे फसल की कटाई का समय होने के कारण लोगों की व्यस्तता या फिर विवाह समारोह में लोगों की ▶▶ शेष पृष्ठ 2 पर

चारधाम यात्रा: यात्रा पंजीकरण का आंकड़ा पहुंचा 10 लाख पार

हमारे संवाददाता

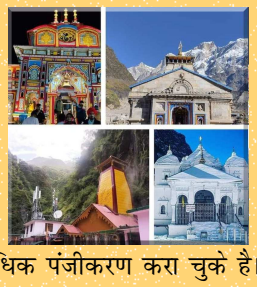

देहरादून। 10 मई से शुरू होने वाली चारधाम यात्रा के लिए बीते पांच दिनों में पंजीकरण का आंकड़ा 10.66 लाख पहुंच गया है। जिसमें केदारनाथ धाम के लिए सबसे अधिक 3.52 लाख तीर्थयात्री पंजीकरण करा चुके हैं। पर्यटन विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार 19 अप्रैल यानि बीती शाम छह बजे तक चारधाम यात्रा के लिए तीर्थयात्री 10.66 लाख से अधिक पंजीकरण करा चुके है। बता दें कि इस बार भी यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। पिछले साल पूरे चारधाम यात्रा में 73 लाख श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया था। इसमें 56 लाख तीर्थयात्रियों ने ही केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के दर्शन किए थे। इस बाद 10 मई को चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। इस बार गंगोत्री, यमुनोत्री व केदारनाथ धाम के कपाट एक ही दिन खुल रहे हैं। जबकि 12 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे। मात्र पांच दिनों में ही चारधाम यात्रा के लिए 10 लाख से अधिक पंजीकरण कराना यह बताता है कि इस बाद भी चारधाम यात्रा पर रिकार्डतोड़ यात्रियों का आना तय है।

जेल में कैदियों के बीच लड़ाई में 2 कैदियों की मौत

नई दिल्ली। पंजाब की संगरूर जेल में शुक्रवार को जेल में बंद कैदियों के बीच मारपीठ की घटना सामने आई जिसमें की दो कैदियों की मौत हो गई और दो अन्य कैदी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें पटियाला के अस्पताल में रेफर किया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही सबसे पहले चारों कैदियों को संगरूर के सरकारी अस्पताल में भेजा गया। पुलिस अब इस बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ऐसी कौन सी बड़ी वजह थी कि कैदियों के बीच इतनी भयंकर झड़प हो गई। मरने वाले कैदियों के नाम हैं हर्ष और धर्मेंद्र। इसके अलावा गगनदीप सिंह और मोहम्मद शाहबाज गंभीर रूप से घायल हैं। कैदियों के बीच इतनी भंयकर झड़प की खबर के बाद पूरी जेल में

हडकंप मच गया। अस्पताल के डॉक्टर डॉ। करनदीप कहेल कहते हैं, इस अस्पताल से कुल 4 मरीज जेल से लाए गए थे। 2 की मौत हो गई और 2 लोग गंभीर स्थिति में हैं, उन्हें आगे के उपचार के लिए पटियाला को रेफर किया गया है।

मामले की जांच करने पहुंचे पंजाब जेल डीआईजी सुरेंद्र सैनी ने बताया कि तकरीबन शाम के 7 बजे जब कैदियों की गिनती करके उन्हें बैरक में बंद किया जा रहा था, तभी कुछ कैदियों ने दूसरी बैरक के अंदर जाकर चार कैदियों पर गंभीर तरीके से तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। पुलिस ने तुरंत सभी को छुड़ाया। इसके बावजूद दो कैदियों की मौत हो गई। पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जेलों में कैदियों को लेकर सख्त नियम होते हैं। उन्हें इस तरह के कपड़े व अन्य चीजें उपलब्ध नहीं कराई जातीं, जिससे वे किसी को नुकसान पहुंचा सकें।

कैदियों तक पहुंचने वाली हर चीज की जांच की जाती है। उनसे जो लोग मिलने जाते हैं, उनकी भी कड़ी चेकिंग होती है। जेल में कैमरे से भी नजर रखी जाती है। ऐसे में सवाल है कि इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्थाएं होने के बाद भी संगरूर जेल में धारदार लोहा कैदियों के पास कहां से आया।

दून वैली मेल

संपादकीय

चौंकाने वाले नतीजों का संकेत

लोकसभा चुनाव के पहले दौर का मतदान संपन्न हो चुका है। सुबह जब मतदान शुरू हुआ तो मतदान केंद्रो पर लंबी-लंबी लाइनों को देखकर लग रहा था कि इस बार रिकार्ड मतदान होगा लेकिन दोपहर होते-होते इन संभावनाओं ने दम तोड़ दिया। शाम ढलने के बाद जब चुनाव आयोग के आंकड़े आए तो पता चला कि मतदान में ऑल ओवर 8 से 10 फीसदी की गिरावट रही। बात अगर उत्तराखंड की की जाए तो यहां दोपहर तक लगभग 38 फीसदी मतदान हो चुका था लेकिन मतदान समाप्त होने तक यह 56 फीसदी से नीचे ही रह गया। इसका क्या कारण रहा इस पर अब माथा पच्ची की जा रही है। शादी समारोहों के होने से लेकर आम आदमी का राजनीति से मोह भंग तक की बातों पर चर्चा जारी है। ऑल ओवर मतदान प्रतिशत की बात करें तो इसमें आश्चर्यजनक कमी ने सभी को हैरत में डाल दिया है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार 2019 के लोकसभा चुनाव में 91 सीटों के लिए हुए पहले चरण के मतदान में 69.63 फीसदी मतदान हुआ था लेकिन 2024 के चुनाव में 102 सीटों के लिए कल हुए मतदान का प्रतिशत 60 फीसदी के आसपास रहा है जो 9 फीसदी कम रहा है। मतदान प्रतिशत में इतनी भारी कमी या गिरावट को सामान्य बात नहीं माना जा सकता है। अब तक देश में हुए किसी भी चुनाव में मतदान प्रतिशत में गिरावट ज्यादा से ज्यादा दो ढाई फीसदी से अधिक नहीं रही है। इससे पूर्व 1999 में जो लोकसभा चुनाव हुआ उसमें 60 फीसदी के आसपास मतदान हुआ था लेकिन 2004 के लोकसभा चुनाव में 58 फीसदी मतदान हुआ जो दो फीसदी कम रहा था। यह वही इंडिया साइनिंग का दौर था जब अटल बिहारी वाजपेई की सरकार के कार्यकाल में भाजपा बुरी तरह हारी थी। जहां तक मतदान प्रतिशत के बढ़ने की बात है तो वह चुनाव दर चुनाव बढ़ता तो रहा है और यह बढ़त 5 प्रतिशत तक देखी गई है लेकिन किसी चुनाव में 9 फीसदी कम मतदान हो यह देश की राजनीति के इतिहास में पहली बार हुआ है। आमतौर पर कम या ज्यादा मतदान को लेकर यही माना जाता है कि ऐसे मतदान के चुनाव परिणाम चौंकाने वाले होते हैं। इस कम मतदान प्रतिशत के क्या मायने निकाले जाते हैं और क्या मायने रहेंगे इसका ठीक-ठाक पता तो चुनाव परिणाम आने के बाद ही चल सकेगा लेकिन यह देखना अब और भी दिलचस्प होगा कि क्या यह चुनाव भाजपा के 400 पार के दावे पर मोहर लगाएगा या फिर विपक्ष के भाजपा को तड़ीपार के दावे को सच साबित करेगा। लेकिन इस कम प्रतिशत मतदान से एक बात तो साफ है कि चुनाव परिणाम बेहद ही चौंकाने वाले आने वाले हैं। हालांकि अभी 6 चरण का मतदान बाकी है यह भी हो सकता है कि अगले कुछ चरणों में इस गिरावट में कुछ कमी आए लेकिन 9-10 फीसदी की इस गिरावट की भरपाई होना संभव नहीं दिख रहा है क्योंकि यह कोई मामूली गिरावट नहीं है कम मतदान प्रतिशत के कारण इस बार इन 102 सीटों पर हार जीत का अंतर भी बहुत कम रहने का संभावना है। खास बात यह है कि इस बार मतदाताओं की खामोशी भी एक बड़ा रहस्य बनी हुई है। इसका लाभ और हानि किसे होगी यह सब भी अब 4 जून के नतीजे ही बताएंगे इस कम मतदान प्रतिशत ने नेताओं में अभी से बेचैनी पैदा कर दी है।

कम मतदान का कोई असर नहीं पांचो..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

व्यस्तता के कारण वोट न डाल पाना। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या भाजपा के कार्यकर्ता वोटरों को बूथ तक नहीं ला सके तो उन्होंने कहा कि यह दूसरे दलों की चुनाव को लेकर रही उदासीनता है जो भी वोटर बूथ तक पहुंचे हैं उन्हें लाने का काम सिर्फ भाजपा ने ही किया है किसी भी दूसरे दल ने तो इस तरफ न ध्यान दिया न कोई प्रयास किया उन्होंने कहा कि भाजपा की सभी पांचो सीटों पर जीत सुनिश्चित है इसमें कोई संदेह की बात नहीं है।

वहीं राज्य में हुए कम मतदान को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से जब पूछा गया तो उन्होने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों को लेकर जनता के मन में उदासीनता का भाव है जिसके कारण इस बार भाजपा का वोटर कम संख्या में मतदान के लिए बाहर निकला है। वह मानते हैं कि भाजपा को इस बार 10 से 12 फीसदी कम वोट मिलेंगे। वही वह कहते हैं कि कांग्रेस के मतदान प्रतिशत में चार से पांच फीसदी तक की वृद्धि हुई है दोनों को मिलाकर देखा जाए तो यह 15 से 16 फीसदी तक का फर्क आएगा और यही कांग्रेस की जीत का कारण बनेगा।

फीका मतदान, नेता परेशान...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मतदान औसतन अच्छा रहा है। इस बार 1 लाख 80 हजार नए वोटर सूची में शामिल हुए थे इसके बाद भी मतदान प्रतिशत में आई, इस कमी ने नेताओं को परेशान कर दिया है। इसका कितना नफा नुकसान होता है और किसे होता है इसका सही जवाब 4 जून की मतगणना के बाद ही मिल सकेगा।

येना नवग्वो दध्यङ्ङपोर्णुते येन विप्रास आपिरे।
देवानां सुम्ने अमृतस्य चारुणो येन श्रवांस्यानशुः।
(ऋग्वेद ९-१०८-४)

सोम आत्मज्ञान की वह भावना है जिसके द्वारा योगी देवत्व के पथ पर चलते हुए मोक्ष को प्राप्त करते हैं। ऐसे सिद्ध संतों की संगत दूसरे मनुष्यों को भी देवत्व के आनंद भरे पथ पर चलने के लिए प्रेरित करती है।

अपने माता-पिता की स्मृति में गांव के तीन होनहारों को छात्रवृति देंगे जिपंस मर्तोलिया

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। 'आओं अपने गांव से जुड़े' के अभियान के तहत जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने अपने स्वर्गीय माता तथा पिता के स्मृति में अपने गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में प्रतिवर्ष होनहार तीन विद्यार्थियों को छात्रवृति के रूप में पारितोषिक दिए जाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति दिए जाने के दौरान विद्यालय में एक दिन उत्सव के रूप में इस कार्यक्रम को आयोजित किया जाएगा।

चीन सीमा क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य तथा इस अभियान के जनक जगत मर्तोलिया ने एक वर्ष पूर्व आओं अपने गांव से जुड़े अभियान के लांच करते हुए इस अभियान से जुड़ने की सार्वजनिक अपील की थी। उन्होंने बताया कि इस अभियान से दर्जनभर स्थानीय तथा प्रवासी लोग जुड़े चुके है।

उन्होंने कहा कि आज इस अभियान को धरातल में उतारने की शुरुआत वह स्वयं से कर रहे है ताकि इसका व्यापक असर समाज में जा सके। उन्होंने बताया कि उनकी स्वर्गीय माता श्रीमती लीला मर्तोलिया तथा स्वर्गीय पिता श्री कुंदन सिंह मर्तोलिया की स्मृति पर अपने पैत्रिक गांव सुरिंग के प्राथमिक विद्यालय में इस शिक्षा सत्र से सबसे अधिक अंक लाने वाले से तीन विद्यार्थियों को पारितोषिक देकर सम्मानित करने के साथ ही इस अभियान को शुरू कर रहे है।इसकी तिथि विद्यालय से बात करने के बाद शीघ्र घोषित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र में चारों तरफ शैक्षिक माहौल तैयार हो इसके लिए इस अभियान के शिक्षा वाले पार्ट को सबसे पहले शुरु किया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय तथा प्रवासी लोगों से अनुरोध किया है कि सभी अपने गांव विद्यालय में होनहार छात्रों को सम्मानित करने तथा उनके मनोबल को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए आगे आए। इससे विद्यार्थियों में प्रतियोगिता की भावना पैदा होगी। इससे समाज का अपने गांव के प्रति लगाव भी बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि आओं अपने गांव से जुड़े अभियान के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे अनेकानेक कार्य करने की योजना है।

शादी से इंकार करने पर युवती से की घर में घुसकर मारपीट

संवाददाता

देहरादून। शादी से इंकार करने पर महिला मित्र को घर में घुसकर मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आदर्श कालोनी रिंग रोड नेहरू ग्राम निवासी युवती ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका दोस्त मंयक गोस्वामी जिसका घर तपोवन पीआरडी ग्राउन्ड के पास में है जो आज शाम को दस (10) बजे उसके घर में जबरदस्ती घुस के हंगामा करने लगा तथा उसके साथ मारपिट कर गाली गलौच की तथा उसकी मां पर भी जानलेवा हमला किया जिसमें उन्हे और उसको काफी चोट आई हैं।

उसके घर में मारपीट करने के अलावा उसका फोन छीन के ले गया। एक महीने पहले उसकी उसके साथ शादी तय हुई थी। किन्तु उसने शादी से मना कर दिया जिसके कारण उसने उसके साथ मारपीट की, वह पिछले चार साल से मित्र थे जिस दौरान वो उसको मानसिक तौर पर प्रताडित करता था। उसने जब शादी से मना किया तब वो उसके घर काफी बार आकर हंगामा करने लगा अथवा उसको ब्लैकमेल भी किया। वहीं दूसरी तरफ मयंक गोस्वामी ने भी युवती व उसकी मां के खिलाफ नेहरू कालोनी थाने में मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'अजाण' गढ़वाली भाषा की पहली मर्डर मिस्ट्री फिल्मः हटवाल

संवाददाता

देहरादून। डॉ. नन्द किशोर हटवाल ने बताया कि अजाण गढवाली की पहली मर्डर मिस्ट्री, सस्पेंस और थ्रिलर फिल्म है।

आज यहां डॉ नन्द किशोर हटवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि गढ़वाली फिल्म अजाण एक युवती की मर्डर मिस्ट्री है। युवती की हत्या के जुर्म में भगोती गांव के दो भोले-भाले युवकों को फंसाया जाता है। लेकिन गांव के आई. बी. अफसर राम सिंह नेगी, जो कि जयपुर में तैनात हैं, अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए तहकीकात करते हैं और आखिरकार असली हत्यारों तक पहुंचने में सफल होते हैं। फिल्म में कहानी को शानदार तरीके से पर्दे पर उतारा गया है। फिल्म के प्रभावपूर्ण संवाद मानक गढ़वाली में हैं। चुस्त स्क्रिप्ट, थ्रिल, सस्पेंस ऐसा कि पूरी फिल्म को दर्शक दम साधे देखते रहते है। यह किसी भी फिल्म की बड़ी सफलता होती है। सुमधुर संगीत से सुसज्जित इस फिल्म के गीतों को गाया है गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी, पद्मश्री प्रीतम भरतवाण, जितेंद्र पंवार, अंजली खरे व अमित खरे ने संगीत दिया है। फिल्म

का कर्णप्रिय पार्श्व संगीत अमित वी. कपूर ने दिया है जो कि फिल्म की कहानी और भावों के अनुरूप फिल्म के सस्पेंस और थ्रिल के आनंद को कई गुना बढ़ा देता है। आशा फिल्म्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म के निर्माता के.राम नेगी हैं जो कि फिल्म में मुख्य भूमिका में भी हैं। के. राम नेगी गढ़वाली फिल्मों के जानेमाने निर्माता और अभिनेता हैं। फिल्म का निर्देशन गढ़वाली फिल्मों के मशहूर निर्देशक अनुज जोशी ने किया है। अनुज जोशी इससे पहले मेरु गौं, कमली, अब त खुलली रात, कॉफल, याद आई टिहरी, हन्त्या व तेरी सौं का सफल लेखन और निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म के बारे अनुज जोशी ने बताया कि यह फिल्म पहाड़ों के लोगों के अपराध विहीन उच्च चरित्र को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि गढ़वाली सिनेमा में नवीन विषयों का समावेश, विविधता और युवाओं की रूचि को देखते हुए इसे प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। कर्णप्रयाग, पिंडर घाटी, भागोती गांव और गढ़वाल की मुग्ध करने वाली लोकेशन में फिल्माई गई इस फिल्म में गढ़वाली के अच्छे और सधे हुए कलाकारों का चयन किया गया है। के. राम नेगी, बलराज नेगी, रमेश रावत, राकेश गौड़, गोकुल पंवार, अभिषेक मेंदोला, डॉ. कुसुम भट्ट, अंजू भंडारी, शिवानी भंडारी, दीक्षा बडूंनी, अब्बू रावत, सोहन चौहान व रवि ममगाई ने अच्छा अभिनय किया है। गढ़वाली सिनेमा को व्यवसाय की दृष्टि से अभी बहुत लाभप्रद नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में नए प्रयोगों के लिए तो बड़ा जिगरा चाहिए। फिल्म कल अर्थात 19 अप्रैल से दिल्ली-एनसीआर में इंदिरापुरम् के जयपुरिया मॉल स्थित आर-आर सिनेमा हॉल, द्वारका के वेगास मॉल में और कोटद्वार के प्राइड मॉल में दिखाई जा रही है।

महामारी बनते कैंसर को मात देने की रणनीति बने

डॉ अंशुमान

बीते एक दशक से अधिक समय से मेरा यह कहना रहा है कि भारत 2025 तक कैंसर की वैश्विक राजधानी बन जायेगा। चार साल पहले आयी एक अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत कैंसर का सबसे बड़ा केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। अभी आयी अपोलो की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया की कैंसर राजधानी बन रहा है। सच यही है। अनेक लोग मानते हैं कि कैंसर की जांच अधिक होने लगी है, इसलिए अधिक मामले सामने आने लगे हैं। लेकिन संख्या में वृद्धि का यह चौथा कारण है। पहला कारण यही है कि कैंसर के नये मामले बड़ी संख्या में आ रहे हैं।

दूसरी स्थिति यह है कि पहले अधिक आयु में, 60-65 साल के बाद, कैंसर होने के मामले आते थे, पर अब कम आयु में भी यह बीमारी होने लगी है। तीसरा बदलाव यह है कि पहले कुछ प्रकार के कैंसर के बारे में माना जाता था कि यह शहर में होता है,

जैसे महिलाओं में स्तन कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर, पर अब ऐसा ग्रामीण महिलाओं में भी हो रहा है। स्पष्ट है कि शहरी जीवनशैली गांवों में भी पसर गयी, जिसका नतीजा हम देख रहे हैं।

भारत में महिलाओं में सर्विक्स कैंसर (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) अधिक है। अगर हम दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों की बात करें, तो सबसे अधिक स्तन कैंसर के मामले हैं और उसके बाद सर्वाइकल कैंसर आता है। मतलब सर्विक्स और स्तन कैंसर के मामले सबसे अधिक हैं। उत्तर भारत, खासकर गंगा बेल्ट, में महिलाओं में गॉल ब्लाडर (पित्त की शैली) का कैंसर बहुत सामान्य है। आप कानपुर से नीचे पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल में चौबीस परगना तक चले जाएं, यह कैंसर इतना ज्यादा है कि पूरी दुनिया हैरत में है कि यह हो क्या रहा है।

इसकी बड़ी वजह गंगा में बहाये जाने वाले खतरनाक औद्योगिक अपशिष्ट हैं। इस संबंध में नियम तो हैं, पर उनकी परवाह किसी को नहीं है और सारा कचरा गंगा नदी में प्रवाहित किया जाता है। यह कचरा खाद्य पदार्थों के माध्यम से शरीर में पहुंचता है। इस क्षेत्र में चने का इस्तेमाल खूब होता है। अगर चने का रखरखाव ठीक से नहीं होता, तो उसमें एक फंगस लग जाता है, जो कैंसर का कारण है। तीसरी वजह सरसों का तेल है। जिस सरसों में फंगस लगता है, उसका तेल इस क्षेत्र में अधिक मिलता है।

देश के स्तर पर पुरुषों में फेफड़े का कैंसर अभी बहुत सामान्य हो गया है। उत्तर भारत और गुजरात के सौराष्ट्र के इलाके में मुंह और गले का कैंसर सबसे अधिक है। तीसरे स्थान पर प्रोस्टेट कैंसर है। प्रोस्टेट (गदूद) एक ग्रंथि है, जो पेशाब की थैली के नीचे होती है। मुंह, गले और फेफड़े के कैंसर का मुख्य कारण है तंबाकू- किसी भी रूप में। लेकिन जिन लोगों ने कभी तंबाकू का सेवन नहीं किया है, उनमें फेफड़े के कैंसर के मामले अब बढ़ने लगे हैं। इसका मुख्य कारण वायु प्रदूषण है। चूंकि यह सभी जानते हैं कि तंबाकू और शराब के सेवन से कैंसर होता है, इसलिए उस पर चर्चा करने से कोई नयी सूचना सामने नहीं आयेगी।

यह सोचना भी बहुत जरूरी है कि उन लोगों को कम आयु में कैंसर क्यों हो रहा है, जिन्होंने कभी न तंबाकू लिया और न शराब पिया। लोगों की जीवनशैली अच्छी नहीं है। भोजन ठीक नहीं है। खाने-पीने की चीजें व्यापक तौर पर दूषित हैं। इसकी रोकथाम के लिए जो सरकारी एजेंसियां हैं, वे ठीक से अपना काम नहीं कर रही हैं। उन्हें देखना चाहिए कि खाने-पीने की चीजों में भारी धातु और खतरनाक रसायन तो नहीं हैं। पानी और वायु भी प्रदूषित हैं।

आजकल दुकानों और मॉल से अत्यधिक प्रसंस्करित खाना लेकर और माइक्रोवेव में गर्म कर खाने का चलन बढ़ गया है। ऐसा ही एप-आधारित सुविधाओं से खाना मंगाने का मामला है। ब्राजील के नोवा क्लासिफिकेशन में अत्यधिक प्रसंस्करित खाना को जहर की श्रेणी में रखा गया है। हमें समझना होगा कि तीन प्रकार की रसोई होती हैं। एक होती है भगवान की रसोई, जिसमें प्राकृतिक खाना निकलता है, जिसे हम सीधे खा सकते हैं, जैसे फल, सब्जी, कंद, मूल आदि। यह स्वास्थ्य के लिए बढ़िया है। दूसरा है इंसान की रसोई, जहां हम शुद्ध भारतीय भोजन बनाते हैं। इससे भी हम स्वस्थ रहेंगे। तीसरी रसोई शैतान की रसोई है, जहां से अत्यधिक प्रसंस्करित खाना, जंक फूड, फास्ट फूड, पैक्ड फूड, ड्रिंक आदि निकलते हैं। ऐसे भोजन हमें बीमार बना रहे हैं।

ऐसे भोजन से अत्यधिक शुगर पैदा होता है, जो कैंसर का कारण है। प्लास्टिक, टेट्रा आदि में पैक हुए भोजन से बीस्फेनॉल, थैलेक्स आदि निकलते हैं, जो कैंसर का कारक बनते हैं। सोने-जागने, खाने-पीने की अनियमितता से माइटोकॉन्ड्रियल इंज्यूरी होती है, जो एक समय के बाद कैंसर की वजह बन सकती है। ब्रिटेन के एक अध्ययन- नर्सेज स्टडी- का निष्कर्ष है कि जो लोग रात की ड्यूटी करते हैं, उनमें स्तन कैंसर का खतरा बढ़ा है। अभी सबसे जरूरी है कि लोग अपनी जीवनशैली पर ध्यान दें, ताकि कैंसर हो ही नहीं। यदि शरीर में कोई भी असामान्य लक्षण दिखे, तो चिकित्सक के पास जाना चाहिए और उन्हें यह भी कहना चाहिए कि वे कैंसर की स्क्रीनिंग भी कर लें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

क्या आप जानते हैं बारिश में नहाने के स्वास्थ्य लाभ?

बारिश में नहाने के कई स्वास्थ्य लाभ बताए गए हैं। बारिश के पानी में यदि आप नहाएं, तो घमौरियां दूर होने के साथ-साथ आपका बॉडी टेंपरेचर भी संतुलित बना रह सकता हैं। वैसे भी बारिश के पानी में नहाना किसे पसंद नहीं होता है। लेकिन क्या आपको पता है, कि इस पानी से नहाने से हमें कई तरह की फायदे मिल सकते हैं। अगर नहीं, तो आज हम आपको बारिश के पानी से नहाने के क्या-क्या फायदे मिलते हैं इनके बारे में बताते हैं। बारिश के पानी से नहाने के स्वास्थ्य लाभ...

1. बारिश के मौसम में अक्सर बाल झड़ने की समस्या सुनने को मिलती है। ऐसे में यदि आप बारिश के पानी से नहाएं, तो आपके बाल की गंदगी धुल सकती है। आपके बाल स्वस्थ और हेल्दी हो सकते हैं।

2. बारिश का पानी बेहद हल्का और क्षारीय होता है। इस पानी में दिमाग और शरीर को तरोताजा करने की क्षमता पाई जाती है। यदि आप गर्मी के दिनों में बारिश के पानी से नहाएं, तो आपके शरीर को विटामिन बी12 प्राप्त हो सकती है।

3. गर्मी के दिनों में बारिश में नहाने से हमारे शरीर में हार्मोन संतुलित रहता है। आपको बता दें, कि बारिश के पानी से नहाने से ना केवल हार्मोन संतुलित रहता है, बल्कि कान दर्द की समस्या में भी यह रामबाण की तरह काम करता है।

4. बरसात के मौसम में अक्सर घमौरी, रैशेज और तरह-तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं हो जाती हैं। आपको बता दें, कि यह सारी समस्या अधिकतर पसीने की वजह से होता है। यदि आप गर्मी के दिनों में बारिश के पानी में नहाएं, तो आपका बॉडी टेंपरेचर सही रहेगा और आप के शरीर में रैशेज निकलने बंद हो जाएंगे।

5. बारिश के पानी में एंडोफार्मिन और सेरोटोनिन जैसे हैप्पीनेस हार्मोन रिलीज होते हैं, जो तनाव को दूर करने में बेहद फायदेमंद होता है। (आरएनएस)

हनुमान के बाद अब पैन-इंडिया फिल्म से धमाका करेंगे तेजा सज्जा

अभिनेता तेजा सज्जा ने इस साल जनवरी में आई फिल्म हनुमान से दुनियाभर में नाम कमाया है। इस फिल्म के सीक्वल का भी एलान हो चुका है और काम चल रहा है। इस बीच तेजा सज्जा की अगली फिल्म को लेकर रोचक जानकारी सामने आई है।

फिल्म हनुमान से बॉक्स ऑफिस पर बवाल काटने वाले तेजा सज्जा की अगली फिल्म पर दर्शकों की नजरें टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह हनुमान के सीक्वल में नजर आएंगे। हालांकि, हनुमान के सीक्वल से पहले उनके पास एक फिल्म है। इसका निर्देशन कार्तिक गट्टमनेनी कर रहे हैं। इससे पहले वह तेजा की फिल्म ईगलका निर्देशन कर चुके हैं।

इस फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है। टाइटल और फर्स्ट लुक का खुलासा 18 अप्रैल को किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का नाम मिराई रखा गया है, जिसका मतलब होता है भविष्य। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीज उत्साह कायम करने के लिए एक प्री-लुक पोस्टर जारी किया गया है।

इस फिल्म में तेजा के साथ रितिका सिंह फीमेल लीड रोल में होंगी। मांचू मनोज फिल्म में नेगेटिव रोल में होंगे। इस फिल्म को विश्व प्रसाद प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म से जुड़ी अधिक जानकारी अभी सामने आना बाकी हैं। बात करें फिल्म हनुमान की तो 12 जनवरी 2024 को रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन प्रशांत वर्मा ने किया। इस फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 201.63 करोड़ रुपये रहा। वहीं, वर्ल्डवाइड फिल्म ने 295 करोड़ रुपये का कारोबार किया। (आरएनएस)

जामुन सेहत के लिए गुणों का खजाना है

मौसमी फलों का सेवन जरूर करना चाहिए। इस वक्त बाजार में आपको आम के अलावा जिस फल की बहार दिखाई देगी वो जामुन है। स्वाद में खट्टा और कसैला लगने वाला छोटा सा जामुन सेहत के लिए गुणों का खजाना है। ये ना केवल डायबिटीज पेशेंट के लिए लाभकारी है बल्कि इसके सेवन से कई और बीमारियों से भी बचाव किया जा सकता है। आज हम आपको जामुन का सेवन करने से सेहत को कौन कौन से फायदे होते हैं ये बताएंगे।

-छोटा सा जामुन दांतों और मसूड़ों के लिए फायदेमंद होता है। ये ना केवल मसूड़ों से निकलने वाले खून को रोकने में मददगार है बल्कि ये मुंह के छालों को भी ठीक करने में कारगर है।

- बहुत ही कम लोग इस बात को जानते होंगे कि जामुन दिल के लिए भी बेहतरीन होता है। करीब 100 ग्राम जामुन में लगभग 55 मिलीग्राम पोटैशियम होता है। ये ना केवल दिल के लिए लाभकारी होता है बल्कि हाई ब्लड प्रेशर की समस्या में भी आराम दिलाता है।

- जामुन में कई एंटी बैक्टीरियल, एंटी इंफेक्टिव और एंटी मलेरियल गुण होते हैं। जिसकी वजह से ये शरीर को कॉमन इंफेक्शन से बचाने में मदद करता है।

-अगर आप जामुन का सेवन करेंगे तो पेट से संबंधित समस्याएं दूर हो जाती हैं। अगर आप इसकी छाल का काढ़ा बनाकर पिएंगे तो पेट दर्द और अपच जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

-शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी जामुन मददगार है। इसका सेवन करने से शरीर में खून की कमी पूरी होती है। इसके साथ ही शरीर में खून का स्तर बढ़ने लगता है।

-अगर किसी व्यक्ति को पथरी की समस्या है तो जामुन की गुठली उसमें असरदार है। पथरी से पीड़ित व्यक्ति को जामुन के पाउडर को दही में मिलाकर खाएं। ऐसा करने से आराम मिलेगा।(आरएनएस)

भारतीयों की जिन्दगी के पांच साल कम कर रहा है वायु प्रदूषण

हर्षवर्धन भट्ट

वायु प्रदूषण पर हाल ही में शिकागो यूनिवर्सिटी की ओर से जारी रिपोर्ट में चिंताजनक आंकडे सामने आए हैं। रिपोर्ट में दुनियाभर के जिन छह देशों में रहने वाले लोगों की जिंदगी पर वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर पड रहा है, उनमें भारत का भी नाम शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, वायु प्रदूषण भारत के लोगों की जिंदगी के पांच साल कम कर रहा है, जबकि सिर्फ दिल्ली की बात करें तो स्थिति और भी ज्यादा खराब है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के तय मानक पांच माइक्रोग्राम पर क्यूबिक मीटर की तुलना में देश का सूक्ष्म कण वायु प्रदूषण लोगों की जिंदगी के पांच साल कम कर रहा है। रिपोर्ट में दिल्ली को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बताते हुए कहा गया कि वायु प्रदूषण का यहां रहने वालों के स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा असर पड रहा है और उनकी जिंदगी के 11.9 साल कम हो रहे हैं।

वहीं 2000-2016 के बीच भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में वायु प्रदूषण के प्रेगनेंसी पर असर को लेकर लैंसेट की ओर से स्टडी की गई है। शोध में सामने आया कि तीनों देशों में प्रदूषण की वजह 29 प्रतिशत प्रेगनेंसी लॉस यानी गर्भपात हुआ। इसमें से अकेले 77 प्रतिशत प्रेगनेंसी लॉस भारत में हुआ, जबकि पाकिस्तान में 12 प्रतिशत और बांग्लादेश में 11 प्रतिशत मामले सामने आए। इस स्टडी में 34,197 महिलाओं को शामिल किया गया था, जिनमें से 27,480 महिलाओं ने मिसकैरेज और 6,717 स्टिल बर्थ (बच्चे की हार्ट बीट गायब होना) झेला। शोध में कहा गया कि प्रदूषण बडने के साथ मानव स्वास्थ्य का खतरा भी बड गया है। शिकागो यूनिवर्सिटी में प्रो. माइकल ग्रीनस्टोन ने कहा कि वायु प्रदूषण से दुनिया भर के लोगों के जीवन पर पड रहे प्रभाव का तीन चौथाई हिस्सा सिर्फ छह देशों बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, चीन, नाइजीरिया और इंडोनेशिया में है। आंकडों से स्पष्ट होता है कि वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए दुनिया का सबसे बडा बाहरी खतरा बना हुआ है। मानव जीवन पर वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा खतरे के मद्देनजर वैश्विक वायु गुणवत्ता अवसंरचना के लिए सामूहिक मौजूदा निवेश अपर्याप्त लगता है। एचआईवी-एड्स, मलेरिया और टीबी के लिए हर साल बडे वैश्विक कोष का निवेश किया जाता है, लेकिन वायु प्रदूषण के लिहाज से ऐसा नहीं है।

स्विस फर्म आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग के मुताबिक, दुनिया के सबसे प्रदूषित 110 देशों की सूची में भारत के तीन शहर राजधानी दिल्ली, कोलकाता और मुंबई हैं। सूची में दिल्ली पहले नंबर पर है। यहां का एक्यूआई 254 है, जिससे दिल्ली पूरी दुनिया में सबसे प्रदूषित शहर है। इसके बाद रैंकिंग में चौथे स्थान पर 216 एक्यूआई के साथ कोलकाता है। इसके बाद दसवें स्थान पर मुंबई है, जहां एक्यूआई 155 रिकॉर्ड किया गया। हाल ही में कानपुर में सात दिन में तीन मौतें सांस लेने में दिक्कतों के चलते हो चुकी हैं। वहीं मेरठ में एक युवक को तेज बुखार आया और रेस्पिरेटरी सिस्टम फेल हो गया। नतीजा युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों का मानना है कि पॉल्यूशन ने फेफडों में ऑक्सीजन का लेवल घटा दिया है। पॉल्यूशन से फेफडों की नलियां सिकुड चुकी हैं। ऑक्सीजन की इनहेलिंग धीरे-धीरे घट रही है। ओपीडी और क्रिटिकल केयर यूनिट में आ रहे मरीजों की जांच में ऑक्सीजन लेवल ठीक नहीं मिल रहा है।

चीन के गुआंगडोंग प्रांत में प्रदूषण से होने वाली प्रीमैच्योर डिलीवरी को लेकर एक शोध हुआ। इस शोध में शामिल 687 महिलाओं को प्रीमैच्योर डिलीवरी हुई थी और 1097 महिलाओं को कम वजन वाले बच्चे हुए थे। इनकी तुलना 1766 हेल्दी बर्थ वाली महिलाओं के साथ की गई। गौर करने वाली बात यह है कि चीन के इस प्रांत में पूरे देश के औसत से कम प्रदूषण रहता है। चीन में भी उत्तर भारत की तरह सितंबर-अक्टूबर से वायु प्रदूषण बडना शुरू होता है और गर्मियों में कम होता है। इस शोध में यह पता चला कि प्रेगनेंसी के पहले और आखिरी महीने में महिलाओं और गर्भस्थ शिशु को प्रदूषण से सबसे ज्यादा नुकसान होता है। वहीं अमेरिका में होने वाले कुल प्रीमैच्योर बर्थ में तीन फीसदी की वजह प्रदूषण होता है। ऐसे बच्चों की संख्या 16 हजार है। प्लोस मैगजीन के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 60 लाख बच्चे प्रदूषण की वजह से समय से पहले जन्म ले रहे हैं। इनमें से आधे बच्चे अंडरवेट यानी कम वजन के हैं। अजन्मे शिशु के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होता है मां की कोख, लेकिन दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे उत्तर प्रदेश में वायु प्रदूषण से मां की कोख में पल रहे शिशु भी सुरक्षित नहीं है। बडता प्रदूषण बुजुर्गों और छोटे बच्चों के साथ अजन्मे बच्चों पर भी असर डाल रहा है। यही वजह है कि डॉक्टर इस जहरीली हवा में गर्भवती महिलाओं को बाहर निकलने से रोक रहे हैं। खासतौर पर गर्भावस्था के शुरुआती और आखिरी समय में महिलाओं को घर में ही रहने को कहा जा रहा है। अधिकांश डॉक्टरों ने गर्भवती महिलाओं के लिए ऑनलाइन कंसल्टेंसी शुरू कर दी है। जरूरत पडने पर ही महिलाओं को चेकअप के लिए अस्पताल बुलाया जा रहा है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गैस के कारण शरीर में होती है कई परेशानियां

समय पर खाना नहीं खाने के कारण या ऑयली खाना खाने से गैस की समस्या होने लगती है। अगर गैस एक वक्त के बाद ज्यादा बढ़ जाए तो यह शरीर के दूसरे अंगों को भी परेशान करने लगता है। आइए जानें पेट में गैस होने से कौन-कौन से अंगों में दर्द शुरू हो जाता है।

पेट में गैस होने से शरीर में काफी ज्यादा परेशानी शुरू होती है। दरअसल, जब लोग सही वक्त पर खाना नहीं खाते हैं तो इसके कारण एसिडिटी और गैस की समस्या होती है। अगर किसी व्यक्ति के पेट में जरूरत से ज्यादा गैस बन रही है तो यह एक गंभीर रूप ले सकती है। इसके कारण शरीर के दूसरे अंगों में दर्द शुरू हो जाता है। जरूरत से ज्यादा गैस बनने से सिर,पीठ, कमर और जोड़ों में दर्द शुरू हो जाता है।आइए इस आर्टिकल के जरिए जानें गैस के कारण शरीर में कहां-कहां दर्द होने लगता है।

पेट में गैस बनने के कारण शरीर के इन अंगों में होने लगता है दर्द

पेट में दर्द

पेट में गैस बनने से पेट में भयंकर दर्द होने लगता है। पेट के ऊपरी और निचले हिस्से में तेजी से क्रैम्प होने लगता है। गैस के कारण कई लोगों को डकार होती है। इसके कारण पेट में मरोड़ होने लगता है। ऐसी स्थिति में लोगों को दवा का सहारा लेना पड़ता है।

सिर में दर्द

पेट और दिमाग में कनेक्शन है। इसलिए जब भी पेट में गैस बनने लगता है तो दिमाग में दर्द होने लगता है। इसके कारण गैस्ट्रिक सिरदर्द की समस्या होती है। गैस सिर पर चढ़ जाता है और फिर सिर के दोनों तरफ दर्द होने लगता है।

सीने में दर्द

जब पेट में खाना ढंग से नहीं पचता है तो पेट में गैस बनने लगता है। पेट में गैस बनने के कारण दर्द और जलन होने लगती है। कई बार पेट में इतना ज्यादा दर्द होता है कि सीने में जलन होने लगती है।

कमर दर्द

गैस के कारण कमर और पीठ में दर्द शुरू हो जाता है। दरअसल, पेट की गैस पीठ और कमर के हिस्से को काफी ज्यादा बुरा असर डालता है। इसके कारण लोगों को उठने बैठने में काफी ज्यादा परेशानी होती है।

जॉइंट्स में दर्द

पेट का गैस इतना ज्यादा खतरनाक होता है कि यह जॉइंट्स में दर्द का कारण होता है। नसों में गैस भरने से घुटनों और ज्वाइंट्स में काफी ज्यादा दर्द होता है।(आरएनएस)

अजय देवगन की मैदान की कमाई में भारी गिरावट

अजय देवगन की फिल्म मैदान को ईद के खास मौके पर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, मैदान ने पहले ही दिन बड़े मियां छोटे मियां के आगे घुटने टेक दिए थे। यह फिल्म शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरस रही है।वीकेंड पर ठीक-ठाक कारोबार करने के बाद अब कामकाजी दिनों में मैदान की कमाई में गिरावट देखने को मिली है।

मैदान की पांचवें दिन की कमाई के आंकड़े सामने आए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को फिल्म ने 1.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। अब इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 23.50 करोड़ रुपये हो गया है।

मैदान ने 4.50 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की थी। दूसरे दिन फिल्म ने 2.75 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 5.75 करोड़ रुपये कमाए।चौथे दिन यह 6.40 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रही।

महज 5 दिन में मैदान ने दुनियाभर में 31.86 करोड़ रुपये से अधिक जुटा लिए हैं।इस फिल्म की कहानी फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम पर आधारित है, जिनके मार्गदर्शन में भारतीय फुटबॉल टीम ने 1951 और 1962 के एशियाई खेलों में जीत हासिल की थी। इस दौर को भारतीय फुटबॉल का स्वर्ण युग कहा जाता है।फिल्म में प्रियामणि और गजराज राव ने अहम भूमिका में हैं। मैदान को अब आप महज 150 रुपये में देख सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -139

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

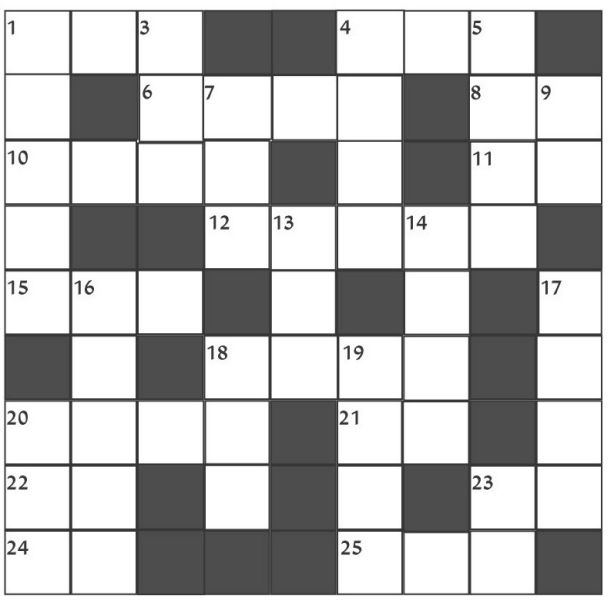

शब्द सामर्थ्य क्रमांक138 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

रिलीज हुआ हीरामंडी का दूसरा गाना तिलस्मी बाहें

संजय लीला भंसाली की मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार का प्रीमियर 1 मई 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज के लिए तैयार है। सीरीज के प्रीमियर से पहले मेकर्स ने इसका दूसरा गाना तिलस्मी बाहें रिलीज कर दिया है। तिलस्मी बाहें को संजय लीला भंसाली ने कंपोज किया है। इससे पहले हीरामंडी- द डायमंड बाजार का गाना सकल बन सामने आया था।

तिलस्मी बाहें गाने में सोनाक्षी सिन्हा अपने सबसे हसीन लुक में दिखाई दे रही हैं। उनकी केयरफ्री स्पिरिट और अट्रैक्ट करने वाला चार्म दर्शकों को अपनी तरफ खींचता है। सोनाक्षी सिन्हा के लिए यह अब तक का उनका बेहद अहम सिंगल सॉन्ग माना जा रहा है। इसमें वह अपने फरीदान के किरदार की खूबसूरती से सभी पर अपना जादू चला रही हैं। सोनाक्षी ने फरीदान की ना बांधे जाने वाली आजादी को उनकी शानदार खूबसूरती के जरिए दिखाया है।

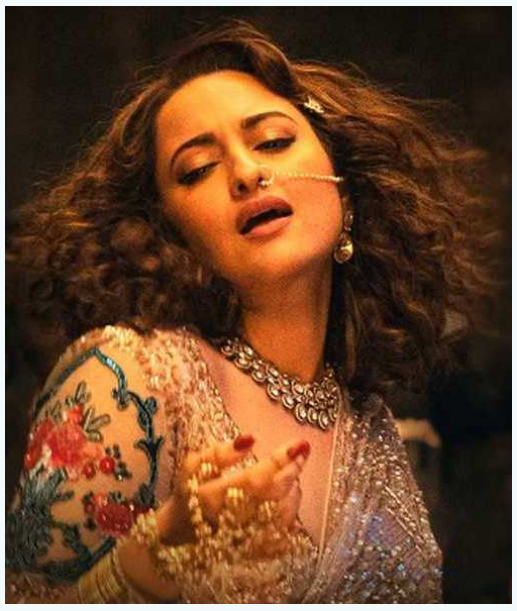

भंसाली प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को खुद संजय लीला भंसाली ही डायरेक्ट कर रहे हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस ने बॉलीवुड को कई कमर्शियली हिट फिल्में दी हैं। इसमें देवदास, पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, और हाल ही में रिलीज हुई गंगुबाई काठियावाड़ी का नाम शामिल है। उनका नया प्रोजेक्ट हीरामंडी है, जिसके 8 एपिसोड होंगे। ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर 190 देशों में लॉन्च की जाएगी।

हीरामंडी- द डायमंड बाजार ब्रिटिश राज के खिलाफ इंडियन फ्रीडम मूवमेंट के दौरान लाहौर के हीरामंडी के रेड-लाइट इलाके में तवायफों की जिंदगी को दिखाता है। सीरीज में स्टारकास्ट की एक लंबी लिस्ट शामिल है। सोनाक्षी सिन्हा के अलावा अदिति राव हैदरी, मनीषा कोइराला, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सेहगल, फरीदा जलाल जैसी एक्ट्रेसेस सीरीज में दिखाई देंगी।

बोल्ड कंटेंट से भरी फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 का ट्रेलर हुआ रिलीज

पिछले कई दिनों से फिल्म लव सेक्स और धोखा की दूसरी किस्त लव सेक्स और धोखा 2 सुर्खियों में है। आए दिन इससे जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही है।पिछले दिनों ऐलान हुआ कि फिल्म के जरिए एक ट्रांसजेंडर को बॉलीवुड में ब्रेक दिया जा रहा है, वहीं फिल्म में जहां परितोष तिवारी की एंट्री हुई तो उधर इसका गाना गुलाबी अंखियां भी काफी चर्चा में रहा।अब लव सेक्स और धोखा 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

फिल्म में डिजिटल यानी इंटरनेट के दौर का प्यार देखने को मिल रहा है। नए जमाने की इस लव स्टोरी में बोल्ड सीन भी हैं, जिसे लेकर कुछ लोग निर्माता एकता कपूर को ट्रोल भी कर रहे हैं।लव सेक्स और धोखा की तरह दूसरे भाग में भी अलग-अलग शहरों की कहानी देखने को मिल रही है। आज के दौर में प्यार के छिपे हुए पहलुओं पर प्रकाश डालती यह फिल्म रिश्तों की उलझनों को समझाती है।

फिल्म के निर्देशक दिबाकर बनर्जी हैं, वहीं एकता ने इसे अपनी मां शोभा कपूर के साथ मिलकर बनाया है। दूसरे भाग में प्यार के बारे में और भी दिलचस्प कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी।यह लोगों को कैमरे के युग के प्यार को करीब से झांकने का मौका देगी। ट्रांसजेंडर बोनिता राज पुरोहित इसमें दमदार भूमिका में हैं, वहीं फिल्म में मौनी रॉय और उर्फी जावेद भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी।

पहले लव सेक्स और धोखा 2 14 फरवरी को आने वाली थी, लेकिन फिर इसकी रिलीज टल गई और 19 अप्रैल की तारीख रिलीज के लिए तय की गई। खास बात है कि करण जौहर भी 19 अप्रैल को ही अपनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी नजर आएगी।दोनों फिल्में भले ही एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन ट्रेड पंडितों के मुताबिक, साथ आने से इनकी कमाई प्रभावित होगी।

लव सेक्स और धोखा में 3 कहानियां दिखाई गई थीं। फिल्म के कलाकारों को देख लग रहा था कि वो हमारे आसपास मौजूद हैं और हम कैमरे के जरिए उन पर नजर रखे हुए हैं।2 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपये कमाए थे। इसमें अंशुमन झा, नुसरत भरूचा और राजकुमार राव जैसे कलाकार दिखे थे। इन तीनों ने ही इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था।

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और ऐमी विर्क बड़े पर्दे पर मचाएंगे धमाल

अभिनेता विक्की कौशल ने अपनी नई फिल्म के बारे में अपडेट देकर फैंस को उत्साहित कर दिया है। विक्की ने हाल ही में सोशल मीडिया पर बताया कि उनकी आगामी फिल्म में तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी नजर आने वाले हैं। अभिनेता की इस घोषणा के बाद अब फिल्म निर्माता करण जौहर ने इस फिल्म के नाम का एलान करते हुए इसका आधिकारिक मोशन पोस्टर साझा किया है।

फिल्म का बैड न्यूज रखा गया है, जिसे इस साल सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी चल रही है। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का एलान करते हुए करण ने लिखा, सबसे मनोरंजक हंगामा के लिए तैयार हो जाइए। इस पोस्ट में उन्होंने यह भी बताया कि यह कॉमेडी फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म को 19 जुलाई 2024 बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा।

पिछले साल विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की कई तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थीं, जिसमें दोनों एक साथ गाने की शूटिंग करते हुए नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन बंदिश बैंडिट्स बना चुके निर्देशक आनंद तिवारी ने किया है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो तृप्ति डिमरी एनिमल की सफलता के बाद मौजूदा समय में कई फिल्मों में काम कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने कार्तिक आर्यन के साथ भूल भुलैया 3 की शूटिंग शुरू की है।

दूसरी ओर विक्की कौशल जल्द ही छावा नाम की फिल्म में मुख्य किरदार निभाते दिखेंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें वे रश्मिका मंदाना के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म संभाजी महाराज की बहादुरी, बलिदान और युद्धकालीन रणनीतियों के बारे में बात करेगी।

अलाया एफ ने दरिया किनारे लगाई आग

अपने समय की ख्यातनाम हॉट अभिनेत्री रही पूजा बेदी की बेटी अलाया एफ इन दिनों सोशल मीडिया की सनसनी बनी हुई है। बॉलीवुड एक्ट्रेस अलाया एफ अपनी खूबसूरती और हॉटनेस के लिए सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से फैंस का दिल धड?ाती रहती हैं. हाल ही उन्होंने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं. अलाया ने ब्लैक एंड व्हाइट क्रॉप टप और डेनिम शॉर्ट पहना हुआ है, लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और दरिया किनारे सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं. वैसे भी आलया एफ अपनी खूबसूरती और हॉटनेस के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री अपने हॉट और सेक्सी लुक्स की वजह से अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं।

अलाया एफ आज रिलीज हुई फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में काफी अहम रोल में नजर आई हैं. क्रिटिक्स को दर्शकों को उनकी एक्टिंग भी काफी पसंद आ रही है.

बात अगर अलाया इब्राहिम फर्नीचरवाला, जो अलाया एफ के नाम से मशहूर है के काम की जाए तो अलाया ने वर्ष 2020 में अपनी शुरूआत सैफ अली खान के साथ फिल्म जवानी जानेमन से की थी। इस फिल्म में उन्होंने सैफ की बेटी का किरदार निभाया था। तब्बू ने उनकी माँ की भूमिका को अभिनीत किया था। अलाया ने फिल्म में दमदार अभिनय किया था जिसके लिए उन्होंने बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था।

मधुबाला की बायोपिक फिल्म का ऐलान

पिछले काफी समय में कई महान हस्तियों की जिंदगी को पर्दे पर उतारा जा चुका है। अब इस लिस्ट में हिन्दी की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक मधुबाला का नाम भी शुमार हो गया है। लंबे समय से इस मधुबाला की बायोपिक को लेकर चर्चा बनी हुई है। अब आखिरकार मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म का ऐलान कर दिया है। इसी के साथ अब फिल्म के लिए काफी उत्सुकता बढ़ गई हैं। मधुबाला की फिल्म के निर्देशन की कमान जसमीत केारीन संभालने वाली हैं, जो इससे पहले आलिया भट्ट और विजय वर्मा की फिल्म डार्लिंग्स को भी डायरेक्ट कर चुकी है। इस बायोपिक का ऐलान सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और ब्रूइंग थॉट्स प्राइवेट लिमिटेड ने किया है। उन्होंने इस फिल्म के लिए ब्रीइंग थॉट्स प्राइवेट लिमिटेड एंड मधुबाला वेंचर्स से हाथ मिलाया है।

मधुबाला की बायोपिक का ऐलान करते हुए सोनी पिक्चर्स ने लिखा, रोमांचक समाचार! हम शालीनता और प्रतिभा की प्रतीक महान मधुबाला के सम्मान में अपनी आगामी फिल्म की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित सितारों में से एक के महान आकर्षण और मनोरम कहानी को जानने के लिए तैयार हो जाइए। अपडेट के लिए जुड़े रहें।

फिलहाल इस बात का ऐलान नहीं किया गया है कि फिल्म में मधुबाला का किरदार कौन सी एक्ट्रेस पर्दे पर उतारने वाली है। वहीं, अब फिल्म के ऐलान के साथ इसके लिए उत्सुकता भी काफी बढ़ गई हैं। बता दें कि पिछले दिनों खबर आई थी कि फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, मधुबाला की बायोपिक बनाने जा रहे हैं, हालांकि, बाद में मधुबाला की बहन मधुर बृज भूषण ने इसे खारिज करते हुए बताया था कि उन पर एक अन्य फिल्म बनाई जा रही है।

जल संरक्षण की आवश्यकता जरूरी

भारत डोगरा

जहां एक ओर दूर-दूराज के गांवों में नल से जल मिलने की प्रसन्नता है, वहीं यह जरूरत भी बढ़ गई है कि नलों और पाइपों के लिए पानी मिलता रहे। इसके लिए जल संरक्षण को मजबूत करना चाहिए।

देश के परंपरागत जल संरक्षण उपायों से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है। बुंदेलखंड जैसे कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां जल प्रबंधन और उपलब्धि के परंपरागत और नये तौर-तरीकों में बहुत अंतर है। जहां पहले तालाबों में जल-संग्रहण और इसके माध्यम से आसपास के जल स्तर को ऊंचा रखते हुए कुछ चुने हुए स्थानों पर कुएं बनवाने को महत्त्व दिया जाता था, वहीं इन दिनों तालाबों की उपेक्षा कर काफी मनचाहे ढंग से जगह-जगह नलकूप और हैंडपंप लगाए गए हैं। बड़ी संख्या में नलकूप विफल रहे हैं, हैंडपंप भी कुछ समय बाद जवाब दे गए। कुछ समय के लिए नई सुविधाएं मिलने पर परंपरागत तौर-तरीकों की उपेक्षा होने लगती है, जो बाद में मंहगी पड़ती है क्योंकि नया लाभ स्थायी सिद्ध नहीं होता। इस तरह क्षेत्र की विशेषताओं को ध्यान में न रख कर खर्च किया गया बहुत सा पैसा अपेक्षित लाभ नहीं दे पाता और कई स्थानों पर तो स्थिति पहले से भी ज्यादा खराब हो जाती है। बुंदेलखंड में कुछ स्थानों पर ट्यूबवेलों के आने के बाद पहले से बने कुएं सूखने लगे। जहां भूजल उपलब्धि की स्थिति ट्यूबवेलों के अनुकूल न हो, वहां जबरदस्ती इसी नीति को अपनाने से संतोषजनक और स्थायी समाधान मिल ही नहीं सकता।

नल या हैंडपंप, नलकूप या पाइपलाइन, ये सब कई गांवों में ज्यादा नजर आ रहे हैं पर जिस भूजल से, तालाब या झरने से इन्हें पानी मिलना है, यदि उनमें ही पानी कम होने लगे तो भला इन निर्माण कार्यों से क्या समस्या हल होगी। पिछले लगभग दस-पंद्रह वर्षों में हमारे देश में भूजल स्तर में बहुत तेजी से गिरावट आई है। पहाड़ी क्षेत्रों से कितने ही झरनों के सूखने या पतले पडने़ के समाचार हैं। बहुत बड़ी संख्या में तालाब मैदान जैसे बन गए हैं, उन पर अतिक्रमण हो चुका है या ये बुरी तरह जीर्ण-शीर्ण स्थिति में पड़े हैं। जल की कमी के संकट को जल प्रदूषण ने और भी विकट कर दिया है। छोटी-छोटी नदियां भी इतनी प्रदूषित हो गई हैं कि कई गावों की जल उपलब्धि पर प्रतिकूल असर पड़ा है। जहां कृषि रसायनों का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, वहीं भूजल पर इनका हानिकारक असर दिखने भी लगा है।

जल के संकट से बेपरवाही

कई क्षेत्रों में जल के संकट की परवाह न करते हुए ऐसे उद्योग लगाए जा रहे हैं जो जल का अत्यधिक उपयोग करेंगे तथा जल प्रदूषण में वृद्धि करेंगे। कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं जहां जल संकट को नजरंदाज करते हुए जल का अत्यधिक उपयोग करने वाली ऐसी नई फसलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिनका लाभ कुछ पहले से समृद्ध लोगों तक सीमित रहेगा पर जिनके दुष्परिणाम और नीचे गिरने वाले भूजल के रूप में जनसाधारण को भुगतने पड़ेंगे। शहरी क्षेत्रों में पांच-सितारा होटल, लॉन, गोल्फ-कोर्स आदि अत्यधिक जल उपयोग वाली सुविधाओं के जुटाने में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं जबकि अनेक बस्तियों में जल अभाव से हाहाकार है। अन्य प्राकृतिक संसाधनों की तरह जल का बंटवारा भी विषमता से ग्रस्त है, और यह विषमता जल संकट की स्थिति में असहनीय हो जाती है। एक ओर लोग पीने के पानी को तरसते रहें तथा दूसरी ओर पानी का अपव्यय होता रहे, यह वर्तमान की दृष्टि से तो अन्यायपूर्ण है ही, भविष्य में समस्या का स्थायी हल खोजने में भी रुकावट बनता है। इस विषमता के कारण जल वितरण और उपयोग का ऐसा नियोजन नहीं हो सकता जो सबकी प्यास बुझाने में समर्थ हो।

सार्थक जल नियोजन के लिए जरूरी है कि निहित स्वाथरे के दबाव की परवाह न करते हुए सर्वाधिक प्राथमिकता इस बात को दी जाए कि हर व्यक्ति, हर झोंपड़ी, हर गांव की प्यास बुझाई जा सके। पानी के अन्य उपयोग-चाहे किसी नई फसल के लिए हों या किसी उद्योग के लिए-तभी सोचे-विचारे जाएं जब पहले इस बुनियादी जरूरत को संतोषजनक ढंग से पूरा कर लिया जाए। इस प्राथमिकता पर कायम रहने के साथ ही यह भी जरूरी है कि पीने के पानी की आपूर्ति के कार्य को केवल हैंडपंप लगाने या कुएं खोदने तक सीमित न रखकर उन सभी महत्त्वपूर्ण गतिविधियों और क्षेत्रों को ध्यान में रखा जाए जिनका असर पानी की उपलब्धि पर पड़ता है। किसी ग्रामीण क्षेत्र में पीने के पानी की योजना बनाई जा रही हो और वह इस ओर से अनभिज्ञ रहे कि ऊपर पहाड़ी पर जो जंगल काटा जाने वाला है, उसका जल उपलब्धि पर क्या असर पड़ेगा तो यह योजना सफल नहीं हो सकती। इसी तरह औद्योगिक प्रदूषण, कृषि रसायनों का उपयोग, फसल-चक्र में बदलाव, खनन, ये सभी क्षेत्र हैं, जिनका पेयजल उपलब्धि पर असर पड़ सकता है। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि इन विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं और नये कार्यक्रमों पर जल-उपलब्धि की दृष्टि से भी विचार किया जाए और उनके पक्ष में निर्णय लेने से पहले जल-उपलब्धि की स्थिति पर उनका क्या असर होगा, इस प्रश्न को समुचित महत्त्व दिया जाए। जल-नियोजन के कार्य में लगे लोग भी इन विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे बदलावों पर नजर रखें तथा इनकी जल-उपलब्धि पर प्रतिकूल असर पडने़ की संभावना हो तो इस बारे में समय पर चेतावनी देने की भूमिका उन्हें निभानी चाहिए।

भूजल की स्थिति पर रहे नजर

सरकार के पास संतोषजनक पेयजल स्थिति होने के जो आंकड़े विभिन्न गांवों से पंहुचते हैं, उन्हें भेजने वालों को स्पष्ट निर्देश होने चाहिए कि कुछ नलकूप खोद लेने से ही स्थिति संतोषजनक नहीं हो जाती। भूजल नीचे तो नहीं जा रहा है, झरने सूख तो नहीं रहे हैं, जल का प्रदूषण बढ़ तो नहीं रहा है, इन सब बातों के उचित अध्ययन से ही स्पष्ट हो सकता है कि क्या इस गांव (या गांवों के समूह) की पेयजल स्थिति वास्तव में संतोषजनक है अथवा यहां पर पेयजल की कमी का संकट आज नहीं तो कल मंडराने वाला है। इस ओर भी ध्यान देना जरूरी है कि पेयजल के जो नये साधन या स्रेत उपलब्ध कराए जा रहे हैं, उनके रख-रखाव और मरम्मत की कितनी जानकारी स्थानीय लोगों तक पहुंचती है। यदि थोड़ी सी समस्या उत्पन्न होने पर लोगों को कई दिनों तक बाहरी सहायता के इंतजार में प्यासे रहना पड़े तो इस तरह की निर्भरता बढ़ाने वाली नई तकनीक को आदर्श नहीं माना जा सकता। वास्तव में जल व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें नई तकनीक परंपरागत उपायों का विरोध न करे अपितु उनकी कमियों को दूर करने या समय की आवश्यकता के अनुसार क्षमता बढ़ाने का कार्य करे। जल संग्रहण और संरक्षण के विभिन्न तौर-तरीके देश के विभिन्न भागों में (विशेषकर पानी की कमी वाले क्षेत्रों में) सदियों के अनुभव से विकसित किए गए और ये ऐसी अनमोल विरासत हैं, जिनकी उपेक्षा कर हम पेयजल का संकट हल करने में सफल नहीं हो सकते। यह भी सच है कि बदलती परिस्थितियों में कई जगहों पर तरह-तरह की नई तकनीक की जरूरत है। इनके बीच सामंजस्य बनाने में सुविधा होगी बशत्रे पेयजल योजनाएं बनाने और कार्यान्वित करने में स्थानीय लोगों की भागेदारी हो।

सू- दोकू क्र. 139

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.138 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

चिंताजनक है वॉयस क्लोनिंग के लगातार बढते मामले

अशोक शर्मा

मौजूदा दौर में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक ने सुविधाओं में इजाफा किया है, वहीं इसके गंभीर दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। इन दिनों कृत्रिम मेधा के उपयोग से विकसित वॉयस क्लोनिंग की समस्या काफी गंभीर समस्या बनकर उभर रही है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न वॉयस क्लोनिंग डीपफेक के एक नए रूप में सामने आ रहा है। भारत सहित पुरी दुनिया में साइबर अपराधी इसका इस्तेमाल पैसे ऐंठने के लिए कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मदद से लोग अपने पहचान वालों की आवाज तक को कॉपी करने लगे हैं, जिसे एआई वॉयस क्लोनिंग कहते हैं। इसके विकास के साथ-साथ क्राइम भी तेजी से बढ रहा है। यह साइबर अपराधियों के लिए एक नया हथियार बन गया है। इसके जरिए किसी को भी आसानी से बिना किसी शक के निशाना बनाकर ठगी की घटना को अंजाम दिया जा सकता है। साइबर क्राइम करने वाले धोखाधढी वाली गतिविधियों को अंजाम देने के लिए क्लोन की गई आवाज का उपयोग करते हैं। जैसे कि वे बैंकों, कंपनियों या यहां तक कि पीढित के दोस्तों या परिवार जैसी विश्वसनीय संस्थाओं का रूप धारण करके व्यक्तिगत जानकारी या धन चुराने का प्रयास करते हुए कॉल करते हैं या ध्वनि मेल संदेश छोढते हैं। ताकि लोगों की भावनाओं पर प्रहार करते हुए घटनाओं को अंजाम दिया जा सके। ऐसे में यह समस्या काफी गंभीर रूप लेती नजर आ रही है।

गौरतलब है कि मैकएफी की रिपोर्ट के मुताबिक, 69 फीसदी भारतीय वास्तविक मानव आवाज और एआई जनित आवाज के बीच अंतर करने में असमर्थ पाए गए। इसी कारण वॉयस क्लोनिंग के मामले लगातार सुर्खियों में आ रहे हैं। वहीं, द आर्टिफिशियल इम्पोस्टर की रिपोर्ट के मुताबिक, 47 फीसदी भारतीय या तो पीढित हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो वॉयस क्लोनिंग ठगी का शिकार है। जबकि वैश्विक स्तर पर ऐसे लोगों की संख्या 25 फीसदी है। इसके अलावा, एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि साल 2022 में 65893 साइबर क्राइम के केस दर्ज किए गए थे। जबकि साल 2021 में 52974 मामले दर्ज हुए थे। इनमें सबसे अधिक करीब 65 फीसदी केस धोखाधढी के हैं। हैरानी की बात तो यह है कि आधुनिक होती तकनीक के साथ ठग भी स्मार्ट होते जा रहे हैं। ठगी के परंपरागत तरीकों को छोढकर ऑनलाइन लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। इनमें सबसे खतरनाक वॉयस क्लोनिंग माना जा रहा है, जिससे ज्यादातर लोग अनजान हैं। बता दें कि वॉयस क्लोनिंग एक एआइ तकनीक है जो हैकर्स को किसी की ऑडियो रिकॉर्डिंग लेने, उनकी आवाज पर एआइ टूल को प्रशिक्षित करने और उसे फिर से बनाने की अनुमति देती है। इन दिनों वॉयस क्लोनिंग के लिए काफी सारे पेड और फ्री टूल्स या सॉफ्टवेयर हैं, जिनका इस्तेमाल कर आसानी से वॉयस क्लोनिंग की जा सकती है। एक बार जब आप वास्तविक वॉयस रिकॉर्डिंग का पर्याप्त बढा डेटा सेट इकट्ठा कर लेते हैं, तो वॉयस क्लोनिंग ऐप इस डेटा को संपादित या परिष्कृत करना शुरू कर देता है। डेटा को अलग-अलग ध्वनि तरंगों में विभाजित किया गया है ताकि एआई इसे समझकर उस पर प्रतिक्रिया कर सके। एआई फिर इन ध्वनि तरंगों को उनके संबंधित स्वर, भाषा में ध्वनि की सबसे छोटी इकाई के साथ लेबल करता है।

ऐसे में हमें यह समझने की आवश्यकता है कि वॉयस क्लोनिंग के खतरे व्यक्तिगत या आर्थिक जोखिम तक सीमित नहीं है। इस एआई तकनीक का बढता दुरुपयोग काफी नुकसानदेय हो सकता है। एआइ विशेषज्ञों का मानना है कि नकली वीडियो और ऑडियो से गलत सूचना या फेक न्यूज की लहर पैदा होगी, जिससे दुनिया के कई देशों में अशांति फैल सकती है और लोकतांत्रिक चुनाव बाधित हो सकते हैं। क्योंकि चुनावों के समय नेताओं के भाषणों के इस्तेमाल से वॉयस क्लोनिंग की समस्या बढे स्तर पर देखने को मिल सकती है। साइबर अपराधी विभिन्न स्रोतों से आवाज के नमूने एकत्र कर सकते हैं, जैसे सोशल मीडिया वीडियो, सार्वजनिक भाषण या यहां तक कि इंटरसेप्ट किए गए फोन कॉल।

बंद घरों में हुई चोरियों का खुलासा दम्पत्ति गिरफ्तार, माल बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। बंद घरों में हुई चोरियों का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक दम्पत्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिनसे चुराया गया सारा माल भी बरामद किया गया है। घटना की जानकारी देते हुए सीओ संगीता ने बताया कि हल्दूचौड़ निवासी हेमचंद्र जोशी ने 4 मार्च और चंदन सिंह बिष्ट ने 18 अप्रैल को लालकुआं कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया था कि उनके घरों में गहने सहित कई सामानों की चोरी हुई है।

जिनके खुलासे के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया जिसका नेतृत्व हल्दूचौड़ चौकी इंचार्ज गौरव जोशी ने किया। पुलिस के अथक प्रयासों के बाद बीते रोज सूचना मिली कि बेरीपड़ाव स्थित महालक्ष्मी मंदिर के पास एक दंपति लोगों को बिना बिल के सोने के लॉकेट बेच रहा है हो सकता है हल्दूचौड़ क्षेत्र में हुई चोरियों में यह लोग शामिल हो सकते हैं। जिसके बाद पुलिस ने महालक्ष्मी मंदिर के पास से पूर्वी दिल्ली के निवासी मुनेंद्र सिंह उर्फ निक्कू और उसकी पत्नी अनुष्का को पकड़ लिया और सख्ती से पूछताछ की जिसके बाद दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। मुनेन्द्र अपनी पत्नी के साथ हल्दूचौड़ के गोपीपुरम स्थित एक मकान में किराए पर रहता था और उसने पंचायत घर के पास कपड़े की अस्थाई दुकान लगाई थी। दोनों पति-पत्नी फेरी करने के बहाने आसपास के घरों की रेकी भी करते थे और जिन घरों में ताले लगे दिखते थे उन्हें रात्रि में अपने पास रखे औजारों के माध्यम से तोड़कर घर में घुस जाते थे घटना के दौरान मुनेन्द्र की पत्नी बाहर निगरानी करती थी जबकि वह खुद घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देता था। पुलिस ने दोनों के पास से चोरी में प्रयुक्त सामान सहित चोरी किए गए सामान को बरामद किया है जिसमें एक लैपटॉप भी शामिल है।

मकान का ताला तोड नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। मकान का ताला तोडकर वहां से नगदी व जेवरात चोरी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्वाल्पा एन्क्लेव मोहकमपुर निवासी लक्ष्मी कान्त ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 17 अप्रैल को परिवार के साथ बाहर गये थे। आज जब वह वापस आये तो उन्होंने देखा कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से नगदी व जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने जीवनगढ के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम विक्रांत पुत्र सुशील निवासी बाबूगढ चुंगी विकासनगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घर में घुसकर मारपीट करने पर आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने पर आधा दर्जन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुस्लिम कालोनी निवासी आबिद कुरैशी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रीठा मण्डी निवासी अदनान पुत्र युसुफ, रियान पुत्र युसुफ, शोएब पुत्र युसुफ, आरिश पुत्र असगर, शमशाद सभी निवासी रीठा मण्डी उसके घर में घुस आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। उसको बचाने उसके भाई व परिवार के लोग आये तो उन्होंने उनके साथ भी मारपीट कर उनको घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चकराता, विकासनगर व सहसपुर के मतदान प्रतिशत ने डाला नेताओं की पेशानी पर बल

संवाददाता

देहरादून। टिहरी गढवाल की विधानसभा चकराता, विकासनगर, सहसपुर व डोईवाला के मत प्रतिशत ने भाजपा व कांग्रेस के नेताओं की पेशानी पर बल डाल दिया है जिसके तहत कोई भी दावा करने की स्थिति में नहीं है।

यहां लोकसभा चुनाव के लिए गत दिवस मतदान हुआ था। शुरू के दौर में मतदाताओं का मतदान के प्रति रूझान दिखायी दिया और दोपहर एक बजे तक 37 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयाग कर लिया था। लेकिन उसके बाद चखट धूप के चलते मतदान धीमी गति से चला और दोपहर तीन बजे तक मात्र 45 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

पहले दौर में मतदान की गति को देखते हुए लग रहा था कि अगर इसी गति से मतदान चलता रहा तो शाम तक 65 प्रतिशत से अधिक मतदान होगा लेकिन उसके बाद की मतदान गति को देखते हुए राष्ट्रीय पार्टियों के नेताओं की सांसे रूकनी शुरू हो गयी। सांय को मतदान खत्म होने के बाद पूरे प्रदेश में मतदान प्रतिशत 53.56 ही रह गया। जिसके बाद ऐसा नहीं लग रहा था कि यह मतदान किसके पक्ष में जायेगा। यहां यह भी देखने को मिला कि प्रत्येक स्थान पर मतदाता साईलेंट मोड पर दिखायी दिया। किसी ने किसी को यह नहीं बताया कि उसने किसके पक्ष में मतदान किया। इस बात से भी नेता काफी परेशान दिखायी दिये। जिसके बाद नेताओं ने विधानसभा वार आंकडे एकत्रित किये तो उनकी पेशानी पर बल पड गये। विधानसभा विकासनगर मे 64.31 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां पर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र भी काफी संख्या में है तो वही सहसपुर विधानसभा के मतदाता भी पीछे नहीं रहे वहां पर 62.94 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वही चकराता में 52.53 प्रतिशत तथा डोईवाला विधानसभा मं 60.17 प्रतिशत मतदान रहा। ग्रामीण इलाकों में मतदान अधिक होने के बाद दोनों पार्टियों के नेता बेचैन दिखायी दिये। क्योंकि पछवादून में निर्दलीय प्रत्याशी बॉबी पंवार ने भी धूम मचा रखी है और वहां पर उसके जौनसारी मतदाता अधिक है जिन्हें उसका पूरा समर्थन मिला हुआ था। जिसका कारण यह रहा कि वहां से भाजपा-कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने भी प्रचार में हिस्सा न लेकर बॉबी पंवार को अपना मौन समर्थन मानो दे रखा था। यहां पर भी दोनों दलों की गणित गडबडा गयी।

वहीं डोईवाला में भी मत प्रतिशत अन्य जगहों से ज्यादा होने पर कहीं ना कहीं नेताओं के गणित को गलत साबित करने के लिए बहुत है। अब चार जून को शुरूआती मतगणना में ही तय हो जायेगा कि कौन से दल में कितना दमखम है और कौन फिस्सडी साबित हुआ है।

रेलवे सम्पत्ति चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार, माल बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीतालं। रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने लालकुआं काशीपुर रेल खंड स्थित रेलवे ट्रैक से रेलवे सामान चोरी करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से चोरी किया गया रेलवे का माल भी बरामद हुआ है पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

लालकुआं रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक तरूण वर्मा ने बताया कि उनके नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक रणवीर सिंह सहित रेलवे पुलिस की टीम आपराधिक गतिविधि निगरानी में रेलवे स्टेशन पर थी तभी उन्हें सूचना मिली कि लालकुआं काशीपुर रेलखंड स्थित रेलवे ट्रैक से कुछ चोर रेलवे की संपत्ति चोरी कर रहे हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए टीम मौके पर पहुची और जनपद ऊधम सिंह नगर थाना गदरपुर वार्ड नम्बर चार निवासी विक्की चंद्रा पुत्र मोहन लाल चंद्रा तथा ग्राम रामजियावानपुर थाना गदरपुर व वार्ड नम्बर तीन निवासी गुड्डू पुत्र रहमत को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से चोरी किए गए 18 पेंट्रोल क्लिप बरामद किए है। बताया कि आरोपियों ने पुछताछ में रेलवे माल चोरी करने का अपराध स्वीकार किया है। जिसपर रेलवे पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है जिन्हें रेलवे कोर्ट में पेश करने की तैयारी की जा रही है।

भीषण आग की चपेट में आकर कई झोपड़ियां हुई जलकर खाक

हमारे संवाददाता

नैनीताल। देर रात लगी भीषण आग की चपेट में आकर कई झोपड़ियां जलकर खाक हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है साथ ही नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

मामला हल्द्वानी के बनभूलपुर क्षेत्र का है। यहां देर रात भीषण आग की चपेट में आकर कई झोपड़ियां जलकर खाक हो गयी है। जानकारी के अनुसार बीती देर रात रेलवे क्रॉसिंग के पास चिराग अली शाह दरगाह के नजदीक स्थित झोपड़ियों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते मंजर बेहद

भयावह हो गया और कई झोपड़ियां जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद भयावह आग को काबू में कर लिया गया है। मौके पर अग्निशमन विभाग के दस्ते के अलावा हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश, सिटी मजिस्ट्रेट और पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद है। आग किन कारणों से लगी अभी उसका पता नहीं चल पाया है। लेकिन बताया जा रहा है करीब 20 से 30 झोपड़ियां जलकर राख हो गई हैं।

एक नजर

अस्पताल ले जाने के दौरान वैन में महिला कैदी से दुष्कर्म

जींद। हरियाणा के जींद में एक महिला कैदी ने जींद जेल के दो अन्य कैदियों पर रेप का आरोप लगाया है। महिला ने कहा कि दोनों कैदियों ने उसके साथ जेल वैन में उस समय रेप किया जब वो रोहतक के एक अस्पताल में इलाज के लिए गए थे। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, यह घटना फरवरी की है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर दो पुरुष कैदियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला कैदी ने जींद सिविल लाइन पुलिस थाने में दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि यह घटना उस समय हुई जब उसे और अन्य दो पुरुष कैदियों को जेल वैन में जींद से रोहतक के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस) ले जाया जा रहा था। महिला ने आरोप लगाया है कि जींद जिले के एक गांव के रहने वाले पुरुष कैदियों ने उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और बाद में जब पुलिस अधिकारी कुछ कागजी कार्रवाई में व्यस्त थे, तब वैन में उसके साथ रेप किया। पुलिस ने कहा कि वह आरोप की जांच कर रही है। जींद सिविल लाइन थाने के प्रभारी सुखबीर सिंह ने कहा कि जीरो एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामला रोहतक पुलिस को भेज दिया गया है जिसके अधिकार क्षेत्र में कथित घटना हुई थी।

कांग्रेस ने मणिपुर में 47 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मणिपुर की दो लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार, 19 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान चुनाव में धांधली और बूथ पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए 47 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराए जाने की मांग की है। मणिपुर की दो लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था। साठ-सदस्यीय मणिपुर विधानसभा के 32 निर्वाचन क्षेत्र इनर मणिपुर लोकसभा सीट के तहत आते हैं, जबकि 28 विधानसभा क्षेत्र आउटर मणिपुर संसदीय क्षेत्र का हिस्सा हैं।

कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष के. मेघचंद्र ने कहा कि पार्टी ने मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई है और इनर मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र के 36 तथा आउटर मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराए जाने की मांग की है। मेघचंद्र ने शुक्रवार रात पत्रकारों से कहा, अज्ञात हथियारबंद बदमाश कांग्रेस उम्मीदवार अंगोमचा बिमोल अकोइजाम और पार्टी चुनाव एजेंट को कुछ दिन से धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने इनर मणिपुर के 36 मतदान केंद्रों और आउटर मणिपुर के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान के लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई है।

कड़ी सिक्योरिटी के बीच मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए सलमान खान

मुंबई। फायरिंग की घटना के बाद सलमान खान दुबई के लिए रवाना हो गए हैं। इस घटना के बाद यह पहली बार है कि अभिनेता भारत से बाहर गए हैं। इसी बीच एयरपोर्ट से उनका एक वीडियो सामने आया है, जो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में सलमान खान कड़ी सुरक्षा के बीच नजर आए। इस दौरान एक्टर रिब्ड जीन्स और ब्लैक टी-शर्ट पहने नजर आए। सलमान खान अपने घर पर हुए हमले के बाद से चर्चा में हैं। फैंस एक्टर के हर अपडेट से जुड़े रहते हैं। सलमान खान को शुक्रवार को मुंबई एयरपोर्ट से दुबई जाते समय एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। अभिनेता को वहां एक कार्यक्रम में शामिल होना है। इस दौरान उनके साथ बॉडीगार्ड शेरा भी नजर आए। सलमान खान ब्लैक टी-शर्ट और मैचिंग पैंट में हैंडसम लग रहे थे। जब भाईजान अपनी कार से बाहर निकले तो उनके साथ सुरक्षाकर्मियों का काफिला नजर आया। सलमान ने हाल ही में फिल्म 'सिकंदर' की अनाउंसमेंट की थी। खबर है कि फिल्म की शूटिंग मई से शुरू की जाएगी। इस फिल्म को साउथ के मशहूर डायरेक्टर ए आर मुरुगदास डायरेक्ट करेंगे, जो इससे पहले 'गजनी', 'हॉलीडे' और अकीरा जैसी हिंदी फिल्में डायरेक्ट कर चुके हैं। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके प्रोड्यूसर होंगे। सलमान के अलावा एयरपोर्ट पर कृति सेनन भी नजर आईं। कृति हाल ही में फिल्म क्रू में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ करीना कपूर और तब्बू भी दिखी थीं। कृति ने पैपराजी के सामने पोज दिया। कृति के अलावा एयरपोर्ट पर आदित्य रॉय कपूर, नुसरत भरूचा और माहिरा खान को भी देखा गया।

शादी-विवाह में व्यस्त सैकड़ों बाराती-घराती नहीं डाल पाए वोट

हमारे संवाददाता

देहरादून। निर्वाचन आयोग के 75 प्रतिशत मतदान की मुहिम को मतदाताओं ने करारा झटका दिया और फाइनल आंकड़े आने तक उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर बामुश्किल 56 प्रतिशत मतदान की खबर है। जबकि प्रदेश में मतदाताओं की संख्या कुल 83 लाख बतायी जा रही है। मतदान प्रतिशत कम होने की खास वजह में सरकारी मशीनरी की सामान्य परफॉर्मेंस के अलावा वोट बहिष्कार और विवाह का साया भी एक प्रमुख कारण माना जा रहा है।

बता दें कि 2019 में उत्तराखंड में 61.30 व 2014 में 61.67 प्रतिशत मतदान हुआ था और भाजपा पांचों लोकसभा सीट जीत गयी थी। जबकि 2009 में 53.43 प्रतिशत मतदान हुआ था। कांग्रेस ने पांचों सीट जीत ली थी। 2004 में 48.07 प्रतिशत मतदान हुआ था। जिसमें तीन सीट भाजपा ने जबकि कांग्रेस व सपा ने एक-एक सीट जीती थी। इस बार लगभग 6 प्रतिशत मतदान कम होने की खास वजहों में सरकारी मशीनरी की सामान्य परफॉर्मेंस के अलावा वोट बहिष्कार और विवाह का साया भी एक प्रमुख कारण माना जा रहा है।

❑मतदान जागरूकता कार्यक्रम भी नहीं डाल पाया मतदाताओं पर असर

विदित हो कि मतदान से कुछ दिन पूर्व ही यमकेश्वर, चकराता, चमोली के कुछ इलाकों के हजारों मतदाता अपनी मांगों के समर्थन में मतदान का बहिष्कार करते नजर आए थे। हालांकि,प्रशासन ने इन्हें मनाने की कोशिश की। लेकिन बात नहीं बनी। वहीं सरकारी मशीनरी का मतदान के पक्ष में माहौल बनाने के लिए सोशल मीडिया का समुचित उपयोग नहीं किया गया। मतदाता जागरूकता अभियान को गति देने के लिए विभिन्न सेक्टर का उपयोग भी बड़े पैमाने पर नहीं हो पाया। प्रचार-प्रसार के लिए उम्दा रणनीति का अभाव भी झलका। वहीं भाजपा के स्टार प्रचारकों के प्रदेश में कई सभाएं करने के बाद भो शहरी इलाकों में 2019 की तुलना में कम मतदाता बाहर निकले। चूंकि,इस चुनाव में 2019 की तरह मोदी लहर भी नजर नहीं आयी। ऐसे में मतदाता भी आराम की मुद्रा में नजर आया।

हालांकि राजनीति के जानकार गर्मी को भी कम मतदान की एक अन्य वजह बता रहे हैं। लेकिन ठंडे मौसम वाले पहाड़ी इलाकों के बजाय हरिद्वार व उधमसिंहनगर के गर्म मैदानी इलाकों में ज्यादा मतदान हुआ है।

मतदान कम होने की एक वजह शादी सामारोह के जबरदस्त साये होना भी माना जा रहा है। जिसमें बारातियों और घरातियों को अफसोस है कि वह लोग वोट नहीं डाल पाये। इन सभी लोगों की शिकायत है कि चुनाव आयोग को शादी के बड़े साए को तो ध्यान में रखना चाहिए था। ताकि शादी में व्यस्त सैकड़ों परिवार लोकतंत्र के इस सबसे बड़े पर्व में अपनी हिस्सेदारी निभा पाते।

सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी पोस्ट डालने पर मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर राष्ट्र विरोधी पोस्ट डालने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएमएस रोड निवासी सामाजिक कार्यकर्ता स्वाति नेगी ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह देहरादून जिले में निवास करती है। उसके नाम से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स "एक्स" एक झूठा फेक एकाउंट बनाया गया। उसको बदनाम करने एवं छवि बिगाड़ने की नीयत एक्स पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बनाया गया है, और इस सोशल मीडिया अकाउंट से लगातार असामाजिक एवं धार्मिक उन्माद फैलाने वाली राष्ट्र विरोधी पोस्ट की जा रही हैं। तुरंत संवैधानिक कार्यवाही कर उक्त सोशल मीडिया एकाउंट को बंद करवाने और इस प्रकार के असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही की जाये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दून अस्पताल परिसर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरो ने दून अस्पताल परिसर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिढोवाली कंडोली निवासी मनीष भारद्वाज ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से दून चिकित्सालय आया था। उसने दून चिकित्सालय के परिसर में अपनी स्कूटी खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गुलदार के हमले में बालिका गम्भीर घायल, किया हायर सेंटर रैफर

हमारे संवाददाता

टिहरी। उत्तराखण्ड में मानव व वन्यजीव संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस क्रम में बीती शाम हुए गुलदार के हमले में एक 12 वर्षीय बालिका गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रैफर कर दिया गया है। वहीं सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस व वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी। बालिका पर हुए गुलदार के हमले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

मामला विकासखंड प्रतापनगर के ग्राम पंचायत पिपलोगी का है। बीती रात यहां गुलदार ने एक बच्ची पर हमला कर दिया। वहीं मौके पर चीख-पुकार होने और भीड़ के एकत्र होने पर गुलदार घायल बच्ची को छोड़ कर भाग। डॉक्टरों ने बालिका को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतापनगर के ग्राम पंचायत पिपलोगी निवासी मनबोध सिंह बिष्ट की 12 वर्षीय बालिका अपने घर जा रही थी कि घर के ठीक नीचे गुलदार ने उस पर पीछे से धावा बोल दिया। बच्ची के शोर मचाने पर उसके चाचा, चाची और दादी भी शोर मचाते हुए उस ओर भागे। इतने लोगों को शोर मचाते आते देख गुलदार मौके से भाग गया। जिससे बालिका गुलदार के चंगुल से छूट गई।

आनन-फानन में बच्ची को सीएचसी चौण्ड लम्बगांव लाया गया। वहां डॉक्टर ने बालिका का प्राथमिक उपचार किया

और बालिका को टिटनस व रैबीज का इंजेक्शन लगाते हुए हायर सेंटर रेफर किया है।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद थाना लंबगांव से पुलिस व वन विभाग की टीम पहुंची। टीम ने अपनी अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं वन विभाग ने बालिका के परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।